वाक्यांश के लिए एक शब्द

अच्छी रचना के लिए आवश्यक है कि कम से कम शब्दों मे विचार प्रकट किए जाएँ। भाषा में यह सुविधा भी होनी चाहिए कि वक्ता या लेखन कम से शब्दों में अर्थात् संक्षेप में बोलकर या लिखकर विचार अभिव्यक्त कर सके। कम से कम शब्दों में अधिकाधिक अर्थ को प्रकट करने के लिए 'वाक्यांश या शब्द–समूह के लिए शब्द' का विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे शब्दों के प्रयोग से वाक्य–रचना में संक्षिप्तता, सुन्दरता तथा गंभीरता आ जाती हैं।

कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

वाक्यांश या शब्द – शब्द

- हाथी हाँकने का छोटा भाला – अंकुश
- जो कहा न जा सके – अकथनीय
- जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
- जिस स्थान पर कोई न जा सके – अगम्य
- जो कभी बूढ़ा न हो – अजर
- जिसका कोई शत्रु न हो – अजातशत्रु
- जो जीता न जा सके – अजेय
- जो दिखाई न पड़े – अदृश्य
- जिसके समान कोई न हो – अद्वितीय
- हृदय की बातें जानने वाला – अन्तर्यामी
- पृथ्वी, ग्रहों और तारों आदि का स्थान – अन्तरिक्ष
- दोपहर बाद का समय – अपराह्न
- जो सामान्य नियम के विरूद्ध हो – अपवाद

AZAD IAS ACADEMY

- जिस पर मुकदमा चल रहा हो/अपराध करने का आरोप हो/अभियोग लगाया गया हो – अभियुक्त
- जो पहले कभी नहीं हुआ – अभूतपूर्व
- फेंक कर चलाया जाने वाला हथियार – अस्त्र
- जिसकी गिनती न हो सके – अगणित/अगणनीय
- जो पहले पढ़ा हुआ न हो – अपठित
- जिसके आने की तिथि निश्चित न हो – अतिथि
- कमर के नीचे पहने जाने वाला वस्त्र – अधोवस्त्र
- जिसके बारे में कोई निश्चय न हो – अनिश्चित
- जिसका भाषा द्वारा वर्णन असंभव हो – अनिर्वचनीय
- अत्यधिक बढ़ा– चढ़ा कर कही गई बात – अतिशयोक्ति
- सबसे आगे रहने वाला – अग्रणी
- जो पहले जन्मा हो – अग्रज
- जो बाद में जन्मा हो – अनुज
- जो इंद्रियों द्वारा न जान जा सके – अगोचर
- जिसका पता न हो – अज्ञात
- आगे आने वाला – आगामी
- अण्डे से जन्म लेने वाला – अण्डज
- जो छूने योग्य न हो – अछूत
- जो छुआ न गया हो – अछूता
- जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके – अच्युत
- जो अपनी बात से टले नहीं – अटल
- जिस पुंस्तक में आठ अध्याय हों – अष्टाध्यायीं
- आवश्यकता से अधिक बरसात – अतिवृष्टि
- बरसात बिल्कुल न होना – अनावृष्टि
- बहुत कम बरसात होना – अल्पवृष्टि
- इंन्द्रियों की पहुँच से बाहर – अतीन्द्रिय/इंद्रयातीत

AZAD IAS ACADEMY

- सीमा का अनुचित उल्लंघन – अतिक्रमण
- जो बीत गया हो – अतीत
- जिसकी गहराई का पता न लग सके – अथाह
- आगें का विचार नाकर सकने वाला – अदूरदर्शी
- जो आज तक से सम्बन्ध रखता है – अद्यतन
- आदेश जो निश्चित अवधि तक लागू हो – अधिकृत
- वह सूचना जो सरकार की ओ से जारी हो – अधिसूचना
- विधायिका द्वारा स्वीकृत नियम – अधिनियम
- अविवाहित महिला – अनूढ़ा
- वह स्त्री जिसके पति ने दूसरी शादी कर ली हो – अध्यूढ़ा
- दूसरे की विवाहित स्त्री – अन्योढ़ा
- गुरू के पास रहकर पढ़ने वाला – अन्तेवासी
- पहाड़ के ऊपर की समतल जमीन – अधित्यका
- जिसके हस्ताक्षर नीचे अंकित हैं – अधोहस्ताक्षरकर्ता
- एक भाषा के विचारों को दूसरी भाषा में व्यक्त करना– अनुवाद
- थ्कसी सम्प्रंदाय का समर्थन करने वाला – अनुयायी
- किसी प्रस्ताव का समर्थन करने की क्रिया – अनुमोदन
- जिसके माता–पिता न हों – अनाथ
- जिसका जंन्म निम्र वर्ण मे हुआ हो – अंत्यज
- परम्परा से चली आई कथा – अनुश्रुति
- जिसका कोई दूसरा उपाय न हो – अनन्योपाय
- वह भाई जो अन्य माता से उत्पन्न हुआ हो – अन्योदर
- पलक को बिना झपकाए – अनिमेष/निर्निमेष
- जो बुलाया न गया हो – अनाहूत
- जो ढका हुआ न हो – अनावृत
- जो दोहराया न गया हो – अनावर्त
- पहले लिखे गए पत्र का स्मरण – अनुस्मारक

AZAD IAS ACADEMY

- पीछे–पीछे चलने वाला/अनुसरण करने वाला – अनुगामी
- महल का वह भाग जहाँ रानियाँ निवास करती हैं – अंतःपुर/रनिवास
- जिसे किसी बात का पता न हो – अनभिज्ञ/ अज्ञ
- जिसका आदर न किया गया हो – अनादृत
- जिसका मन कहीं अन्यत्र लगा हो – अन्यमनस्क
- जो धन को व्यर्थ ही खर्च करता हो – अपव्ययी
- आवश्यकता से अधिक धन का संचय न करना– अपरिग्रह
- जो किसी पर अभियोग लगाए – अभियोगी
- जो भोजन रोगी के लिए निषिद्ध है – अपथ्य
- जिस वस्त्र को पहना न गया हो – अप्रहत
- न जोता गया खेत – अप्रहत
- जो कम बोलता हो – अल्पभाषी मितभाषी
- आदेश की अवहेलना – अवज्ञा
- जो बिना वेतन के कार्य करता हो – अवैतनिक
- जो व्यक्ति विदेश में रहता हो – अप्रवासी
- जो सहनशील न हो – असहिष्णु
- जिसका कभी अन्त न हो – अनन्त
- जिसका दमन न किया जा सके – अदम्य
- जिसका स्पर्श करना वर्जित हो – अस्पृश्य
- जिसके पास कुछ न हो अर्थात् दरिद्र – अकिंचन
- जो कभी मरता न हो – अमर
- जो सुना हुआ न हो – अश्रव्य
- जिसको भेदा न जो सके – अभेद
- जो साधा न जा सके – असाध्य
- जो चीज इस संसार में न हो – अलौकिक
- जो बाह्य संसार के ज्ञान से अनभिज्ञ हो – अलोकज्ञ
- जिसे लाँधा न जा सके – अलंघनीय

AZAD IAS ACADEMY

- जिसके तुलना न हो सके – अतुलनीय
- जिसके आदि(प्रारम्भ) का पता न हो – अनादि
- जिसकी सबसे पहले गणना की जाये – अग्रगण
- सभी जातियों से सम्बन्ध रखने वाला – अन्तर्जातीय
- जिसकी कोई उपमा न हों – अनुपम
- जिसका वर्णन न हो सके – अवर्णनीय
- जिसका खंडन न हो सके – अखंडनीय
- जिसे जाना न जा सके – अज्ञेय
- जो बहुत गहरा जो – अगाध
- जिसका चिंतन न किया जा सके – अकाट्य
- जिसको त्यागा न जा सके – अत्याज्य
- वास्तविक मूल्य से अधिक लिया जाने वाला मूल्य – अधिमूल्य
- अन्य से संबंध न रखने वाला/किसी एक में ही आस्था रखने वाला –अनन्य
- जो बिना अन्तर के घटित हो – अनन्तर
- जिसका कोई घर (निकेत) न हो – अनिकेत
- कनिष्ठा (सबसे छोटी) और मध्यमा के बीच की उँगली – अनामिका
- मूलकथा में आने वाला प्रसंग, लघु कथा – अंतःकथा
- जिसका निवारण न किया जा सके/ जिसे करना आवश्यक हो – अनिवार्य
- जिसका विरोध न हुआ हो या न हो सके – अनिरूद्ध/अविरोधी
- जिसका किसी में लगाव या प्रेम हो – अनुरक्त
- जो अनुग्रह (कृपा) से युक्ता हो – अनुगृहीत
- जिस पर आक्रमण न किा गया हो – अनाक्रांत
- जिसका उत्तर न दिया गया हो – अनुकरणीय
- जो कभी न आया हो (भविष्य) – अनागत
- जो श्रेष्ठ गुणों से युक्त न हो – अनार्य
- जिसकी अपेक्षा हो – अपेक्षित
- जो मापा न जो सके – अपरिमेय

AZAD IAS ACADEMY

- नीचे की ओर लाना या खीचना – अपकर्ष
- जो सामने न हो – अप्रत्यक्ष / परोक्ष
- जिसकी आशा न की गई हो – अप्रत्याशित
- जो प्रमाण से सिद्ध न हों सके – अप्रमेय
- किसी काम के बार–बारे करने के अनुभव वाला – अभ्यस्त
- किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा – अभीप्सा
- जो साहित्य कला आदि में रस न ले – अरसिक
- जिसको प्राप्त न किया जा सके
- जो कम जानता हो – अल्पज्ञ
- जो वध करने योग्य न हो – अवध्य
- जो विधि या कानून के विरूद्ध हो – अवैध
- जो भला –बुरा न समझता हो अथवा सोच – समझकर काम न करता हो – अविवेकी
- जिसका विभाजन न किया जा सके – अविभाज्य / अभाज्य
- जिसका विभाजन न किया गया हो – अतिभक्त
- जिस पर विचार न किया गया हो – अविचारित
- जो कार्य अवश्य होने वाला हो – अवश्यंभावी
- जिसको व्यवहार मे न लाया गया हो – अव्यवहृत
- जो स्त्री सूर्य भी नहीं देख पाती – असूर्यपश्या
- न हो सकने वाला कार्य आदि – अशक्य
- जो शोक करने योग्य नहीं हो – अशोक्य
- जो कहने, सुनने, देखने, मे लज्जापूर्ण, घिनौना हो – अश्लील
- जिस रोग का इलाज न किया जा सके – असाध्य रोग / लाइलाज
- जिससे पार न पाई जा सके – अपार
- बूढ़ा–सा दिखने वाला व्यक्ति – अधेड़
- जिसका कोई मूल्य न हो – अमूल्य
- जो मृत्यु के समीप हो – आसन्न मृत्यु
- किसी बात पर बार–बार जोर देना – आग्रह

AZAD IAS ACADEMY

- वह स्त्री जिसका पति परदेश से लौटा हो – आगतपतिका
- जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हों – आजानुबाहु
- मृत्युपर्यन्त – आमरण
- जो अपने ऊपर निर्भर हो – आत्मनिर्भर / स्वावलंबी
- व्यर्थ का प्रदर्शन – आडम्बर
- पूरे जीवन तक – आजीवन
- अपनी हत्या स्वयं करना – आत्महत्या
- अपनी प्रशंसा स्वयं करने वाला – आत्मश्लाघी
- कोई ऐसी वस्तु बनाना जिसकों पहले कोई न जानाता हो – आविष्कार
- ईश्वर में विश्वास रखने वाला – आस्तिक
- शीघ्र प्रसन्न होने वाला – आशुतोष
- विदेश से देश मे माल मँगाना – आयात
- सिर से पाँव तक – आपादमस्तक
- प्रारम्भ से लेकर अंत तक – आद्योपान्त
- अपनी हत्या स्चयं करने वाला – आत्मघाती
- जो अतिथि या सत्कार करता है – आतिथेय / मेजबान
- दूसरे के हित में अपना जीवन त्याग देना – आत्मोत्सर्ग
- जो बहुत क्रूर व्यवहार करता हो – आततायी
- जिसका सम्बन्ध आत्मा से हो – आध्यात्मिक
- जिस पर हमला किया गया हो – आक्रांत
- जिसे सूँघा न जा सके – आघ्रेय
- जिसकी कोई आशा न की गई हो – आशातीत
- जो कभी निराश होना न जाने – आशावादी
- किसी नई चीज की खोज करने वाला– आविष्कारक
- जो गुण– दोष का विवेचन करता हो – आलोचक
- जो जन्म लेते ही गिर या मर गया हो – आजन्मपात
- वह कवि जो तत्काल कविता कर सके – आशुकवि

AZAD IAS ACADEMY

- पवित्र आचरण वाला – आचारभूत
- लेखक द्वारा स्वयं की लिखी गई जीवनी – आत्मकथा
- वह चीज जिसकी चाह हो – इच्छित
- किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वर्णन – इतिवृत
- इक लोक से संबंधित – इहलौकिक
- जो इन्द्र पर वियज प्राप्त कर चुका हों – इन्द्रजीत
- माँ–बाप का अकेला लड़का – इकलौता
- जो इन्द्रियों से परे हो/जो इन्दियों के द्वारा ज्ञात न हो – इन्द्रियातीत
- दूसरे की उन्नति से जलना – ईर्ष्या
- उत्तर और पूर्व के बीच की दिशा – ईशान/ ईशान्य
- पर्वत की निचली समतल भूमि – उपत्यका
- दूसरे के खाने से बची वस्तु – उच्छिष्ट
- किसी भी नियम का पालन नहीं करने वाला – उच्छृंखल
- वह पर्वत जहाँ से सूर्य और चन्द्रमा उदित होते माने जाते हैं – उदयाचल
- जिसके ऊपर किसी का उपकार हो – उर्वरा
- जो छाती के बल चलता हो (साँप आदि) – उरग
- जिसने अपना ऋण पूरा चुका दिया हो – उऋण
- जिसका मन जगत से उचट गया हो – उदासीन
- जिसकी दोनों में निष्ठा हो – उभयनिष्ठ
- ऊपर की ओर जाने वाला – उर्ध्वगामी
- किसी वस्तु के निर्माण में सहायक साधन – उपकरण
- जो उपासना के योग्य हो – उपास्य
- मरने के बाद सम्पत्ति का मालिक – उत्तराधिकारी/वारिस
- सूर्योदय की लालिमा – उषा
- जिकसा ऊपर कथन किया गया हो –उपर्युक्त
- कुएँ के पास का वह जल कुंड जिसमें पशु पानी पीते है – उबारा
- छोटी–बड़ी वस्तुओं को उठा लो जाने वाला –उठाईगिरा

AZAD IAS ACADEMY

- जिस भूमि में कूछ भी पैदा न होता हो —ऊसर
- सूर्यास्त के समय दिखने वाली लालिमा —ऊषा
- विचारों का ऐसा प्रवाह जिससे कोई निष्कर्ष न निकले — ऊहापोह
- कई जगह से मिलाकर इकट्ठा किया हुआ —एकीकृत
- सांसारिक वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा — एषणा
- वह स्थिति जो अंतिम निर्णायक हो , निश्चित — एकांतिक
- जो व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर हो — ऐच्छिक
- इंद्रियों को भ्रमित करने वाला — ऐंद्रजालिक
- लकड़ी या पत्थर का बना पात्र जिसमें अन्न कूटा जाता है — ओखली
- साँप–बिन्छू के जहर या भूत–प्रेत के भय कोक मंत्रों से झाड़ने वाला– ओझा
- जो उपनिषदों से संबंधित हो — औपनिषदिक
- जो मात्र शिष्टाचार, व्यावहारिकता के लिए हो — औपचारिक
- विवाहिता पत्नी से उत्पन्न संतान — औरस
- हड्डियों का ढाँचा — कंकाल
- दो व्यक्तियों के बीच परस्पर होने वाली बातचीत — कथोपकथन
- बर्तन बेचने वाला — कसेरा
- जिसे अपने मत या विश्वास का अधिक आग्रह हो — कट्टर
- जिसकी कल्पना न की जा सके — कल्पनातीत
- ऐसा अन्न जो खाने योग्य न हो — कदन्न
- हाथी का बच्चा — कलभ
- कर्म में तत्पर रहने वाला — कर्मठ
- एक के बाद एक — क्रम
- कान में कही जाने वाली बात — कानाबाती / कानाफूसी
- स्रकार का वह अंग जो कानून का पालन करता है — कार्यपालिका
- शृंगारिक वासनाओं के प्रति आकर्षित — कामुक
- जो दुःख या भय से पीड़ित हो — कातर
- अपनी गलती स्वीकार करने वाला — कातिल

AZAD IAS ACADEMY

- बाल्यावस्था और युवावस्था के बीच की अवस्था – किशोरावस्था
- जो बात पूर्वकाल से लोगों मुें सुनकरन प्रचलित हो – किंवदन्ती /जनश्रुति
- अपने काम के बारे में कुछ निश्चय न करने वाला – किंकर्तव्यविमूढ़
- वृक्ष लता आदि से ढका स्थान – कुमार
- ऐसी लड़की जिसका विवाह न हुआ हो – कुमार
- ऐसी लकड़ी जिसका विवाह न हुआ हो – कुमारी
- बुरे कार्य करने वाला – कुकर्मी
- बुरे मार्ग पर चलने वाला – कुमार्गी
- जिसकी बुद्धि बहुत तेज हो – कुशाग्रबुद्धि
- जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ हो – कुलीन
- वह व्यक्ति जिसका ज्ञात अपने ही स्थान तक सीमित हो – कूपमंडूक
- किए गए उपकार को मानने वाला – कृतज्ञ
- किए गए उपकार को न मानने वाला– कृतघ्न
- जो धन को अत्यधिक कंजूसी से खर्च करता हो – कृपण
- जिसने संकल्प कर रखा है – कृतसंकल्प
- जो केन्द्र से हटकर दूर जाता हो – केन्द्रापसारी
- जो केन्द्र की ओर उन्मुख हो – केन्द्राभिसारी / केन्द्राभिमुख
- सर्प के शरीर से निकली हुई खोली – केंचुली
- जो क्षमा किया जा सके – क्षम्य
- जिसका कुछ ही समय मे ंनाश हो जाए – क्षणभंगुर
- जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए दिखाई देते हैं – क्षितिज
- जो भूख मिटाने के लिए बेचैन हो – क्षुधातुर
- भूख से पीड़ित – क्षुधार्त
- वह स्त्री जिसका पति अन्य स्त्री कें साथ रात को रहकर प्रातः लौटे –खंडिता
- आकाशीय पिंडो का विवेचन करने वाला – खगोलशास्त्री
- जो व्यक्ति अपनें हाथ मे ंतलवार लिए रहता है – खड्गहस्त
- नायक का प्रतिद्वन्द्वी – खलनायक

AZAD IAS ACADEMY

- जहाँ से गंगा नदी का उद्‌गम होता है —गंगोत्री
- शरीर का व्यापार करने वाली स्त्री — गणिका
- जो आकश को छू रहा हो — गगनस्पर्शी
- पहले से चली आ रही परम्परा का अनुपालन करने वाला — गतानुगतिक
- ग्रहण करने योग्य — गाह्य
- गीत गाने वाला/वाली — गायक/गायिका
- गीत रचने वाला — गीतकार
- हर पदार्थ को अपनी ओर आकृष्ट करने वाली शक्ति — गुरूत्वाकर्षण
- जो बात गूढ़ (रहस्यपूर्ण) हो — गूढ़ोक्ति
- जीवन का द्वितीय आश्रम — गुहस्थाश्रम
- गायों के खुरों से उड़ी धूल — गोधूलि
- जब गायें जंगल से लौटती है और उनके चलने की धूल आसमान से उड़ती है (दिन और रात्रि के बीच का समय)— गोधूलि बेला
- घास खोदकर जीवन–निर्वाह करने वाला — घसियारा
- शरीर की हानि करने वाला — घातक
- जिसके सिर पर चंद्रकला हो (शिव) — चंद्रचूड़/चंद्रशेखर
- वह कृति जिसमें गद्य और पद्य दोनों हो —चंपू
- चक्र के रूप में घूमती हुई चलने वाली हवा — चक्रवात
- ब्याज का वह प्रकार जिसमें मूल ब्याज पर भी ब्याज लगता है —चक्रवृद्धि ब्याज
- जिसके हाथ में चक्र हो — चक्रपाणि
- चार भुलाओं वाला — चतुर्भज
- कार्य करने की इच्छा — चिक्कीर्षा
- लंबे समय तक जीने वाला — चिरंजीवी
- जो चिरकाल से चला आया है — चिरंतन
- जो बहुत समय तक ठहर सके — चिरस्थायी
- चिंता (चिंतन) करने योग्य बात — चिंतनीय/ चिंत्य
- जिस पर चिह्न लगाया गया हो — चिह्नित

AZAD IAS ACADEMY

- चार पैरों वाला – चौपाया / चतुष्पद
- जो गुप्त रूप से निवास कर रहा हो – छद्मवासी
- दूसरो के केवल दोषों को खोजने वालीा – छिद्रान्वेषी
- पत्थर को गढ़ने वाला औजार – छैनी
- एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलने वाला – जंगम
- पेट की अग्नि – जठराग्नि
- बारता ठहरने का स्थान – जनवासा
- जो जल बरसाता हो – जलद
- वह पहड़ जिसके मुख से आग निकले – ज्वालमुखी
- जल में रहने वाला जीवन – जलचार
- जनता द्वार चालाया जाने वाल तंत्र – जनतंत्र
- उम्र के बड़ा – ज्येष्ठ
- जो चमत्कारी क्रियाओं का प्रदर्शन करता हो – जादूगरन
- जिसने आत्म को जीत लिया हो – जितात्मा
- जनने की इच्दा रखने वाला – जिज्ञासु
- इन्द्रियों को वश में करने वाला – जितेन्द्रिय
- किसी कें जीवन–भर के कार्यो का विवरण – जीवन– चरित्र
- जो जीतने को योग्य हो – जेय
- जेठ (पति का बड़ा भाई) का पुत्र – जेठोत
- स्त्रियों द्वारा अपनी इज्जत बचाने के लिए किया गया सामूहिक अग्नि–प्रवेश –जौहर
- ज्ञान देने वाली – ज्ञानदा
- जो ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखता हों – ज्ञानपिपासु
- बहुत गहरा तथा बहुत बड़ा प्राकृतिक जलाशय – झील
- जहाँ सिक्कों की ढलाई होती है – टकसाल
- बर्तन बनाने वाला – ठठेरा
- जनता को सूचना देने हेतु बजाया जाने वाला वाद्य – ढिंढोरा
- जो किसी भी गुट में न हो – तटस्थ / निर्गुट

AZAD IAS ACADEMY

- हल्की नींद – तन्द्रा
- जो किसी कार्य का चिन्तन में डूबा हो – तल्लीन
- ऋषियों के तप करने की भूमि – ततोभूमि
- उसी समय का – तत्कालीन
- वह राजकीय धन जो किसानों की सहायता हेतु दिया जाता हें – तकाबी
- जिसमें बाण रखे जाते है – तरकश/तूणीर
- जो चोरी– छिपे माल लाता ले जाता हो – तस्कर
- किसी को पद छोड़ने के लिए लिखा गया पत्र – त्यागपत्र
- तर्क करने वाला व्यक्ति – तार्किक
- दैहिक, दैविक और भौतिक सुख – तापत्रय
- तैर कर पार जाने की इच्छा – तितीर्षा
- ज्ञान मे प्रवेश का मार्ग दर्शक – तीर्थकर
- वह व्यक्ति जो छुटकारा दिलाता है /रक्षा करता है – त्राता
- दुखान्त नाटक – त्रासदी
- भूत, वर्तमान और भविष को जानने/देखने वाला – त्रिकालज्ञ/त्रिकालदर्शी
- गंगा, जमुना, और सरस्वती नदी का संगम – त्रिवेणी
- जिसके तीन आँखे है – त्रिनेत्र
- जिसके तीन आँखे है – त्रिनेत्र
- वह स्थान जो दोनो भृकुटिओं के बीच होता है – त्रिकुटी
- तीन महीने मे एक बार – त्रैमासिक
- जो धरती पर निवास करता है – थलचर
- पति और पत्नी का जोड़ा – दंपती
- दस वषों की समयावधि – दशक
- गोद लिया हुआ पुत्र – दत्तक
- सुकुचित विचार रखने वाला – दकियानूस
- धन जो विवाह के समय पुत्री के पिता से प्राप्त हो – दहेज
- जंगल मे फैलने वाली आग – दावानल

AZAD IAS ACADEMY

- दिनभर का कार्यक्रम – दिनचर्या
- दिखने मात्र को अच्छा लगने वाल – दिखावटी
- दो बार जन्म लेने वाला (ब्राह्मण, पक्षी, दाँत) – द्विज
- जिसने दीक्षा ली हो – दीक्षित
- अनुचित बात के लिए आग्रह – दुराग्रह
- बुरे भाव से की गई संधि – दुरभिसंधि
- वह कार्य जिसको करना कठिन हो – दुष्कर
- दो विभिन्न भाषाएँ जानने वाले व्यक्तियों को एक –दूसरे की बात समझाने वाला – दुभाषिया
- जो शीघ्रता से चलता हो – द्रतगामी
- जिसें कठिनाई से जान जा सके – दुर्ज्ञेय
- जिसको पकडने मे कठिनाई हो – दुरभिग्रह/ दुग्राह्य
- पति के स्नेह से वंचित स्त्री – दुर्भगा
- जिसे कठिनता से साधा/सिद्ध किया जा सके – दुस्साध्य
- जो कठिनाई से समझ मे आता है – दुर्बोध
- वह मार्ग जो चलने मे कठिनाई पैदा करता है – दुर्गम
- जिसमें खराब आदतें हों – दुर्व्यसनी
- जिसको मापना कठिन हो – दुष्परिमेय
- जिसको जीतना बहुत कठिन हो – दूर्जेय
- वह बच्चा जो अभी माँ के दूध पर निर्भर है – दुधमुँहा
- बुरे भाग्य वाला – दुर्भाग्यशाली
- जिसमें दया भावना हो – दयालु
- जिसका आचरण बुरा हो – दुराचारी
- दूध पर आधारित रहने वाला – दुराचारी
- जिसकी प्राप्ति कठिन हो – दुर्लभ
- जिसका दमन करना कठिन हो – दुर्दमनीय
- आगे की बात सोचने वाला व्यक्ति – दूरदर्शी
- देश से द्रोह करने वाला – देशद्रोही

AZAD IAS ACADEMY

- देह से सम्बन्धित – दैहिक
- देव के द्वारा किया हुआ – दैविक
- प्रतिदिन होने वाला – दैनिक
- धन से सम्पन्न – धनी
- जो धनुष को धारण करता हो – धनुर्धर
- धन की इच्छा रखने वाला – धनेच्छु
- गरीबों के लिए दान के रूपम` ंदिया जाने वाला अन्न–धन आदि– धर्मादा
- जिसकी धर्म में निष्ठा हो – धर्मनिष्ठा
- किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु – धरोहर/थाती
- मछली पकड़कर आजीविका चलाने वाला – धीवर
- जो धीरज रखता हो – धीर
- धुरी को धारण करने वाला अर्थात् आधारभूत कार्यो में प्रवीण – धुरंधर
- अपने स्थान पर अटल रहने वाला – ध्रुव
- ध्यान करने वाला – ध्याता/ध्यानी
- जिसका जन्म अभी– अभी हुआ हो – नवजात
- गाय को दुहते समय बछड़े का गला बाँधने की रस्सी जो गाय के पैरों मे बाँधी जाती है – नवि
- जो नया–नया आया है – नवागंतुक
- जिसका उदय हाल ही में हुआ है – नवोदित
- जो आकाश में विचरण करता है – नभचर
- सम्मान में दी जाने वाली भेंट – नजराना
- जिस स्त्री का विवाह अभी हुआ हो – नवोढ़ा
- ईश्वर में विश्वास न रखने वाला – नास्तिक
- पुराना घाव जो रिसता रहता है – नासूर
- जो नष्ट होने वाला हो – नाशवान/नक्षर
- नरक के योग्य – नारकीय
- वह स्थान या दुकान जहाँ हजामत बनाई जाती है – नापितशाला
- किसी से भी न डरने वाला – निडर/निर्भीक

AZAD IAS ACADEMY

- जो कपट से रहित है – निष्कपट
- जो पढ़ना– लिखना न जानता हों – निरक्षर
- जिसका कोई अर्थ न हो – निरर्थक
- जिसे कोई इच्छा न हो – निस्पृह
- रात में विचरण करने वाला – निशाचर
- जिसका आकार न हो – निराकार
- केवल शाक, फल एव फूल खाने वाला या जो मांस न खाता हो– निरामिष
- जिससे अवयव न हो – निरवयव
- बिना भोजन (आहार) के – निराहार
- जो यह मानता है कि संसार में कुछ भी अच्छा होने की आशा नहीं है –निराशावादी
- जो उत्तर न दे सके – निरूत्तर
- जिसके कोई दाग/कलंक न हो – निष्कलंक
- जिसमें कोई कंटक/अड़चन न हों – निष्कंटक
- जिसका अपना कोई शुल्क न हो – निःशुल्क
- जिसके संतान न हो – निःसंतान
- जिसका अपना कोई स्थार्थ न हो – निस्स्वार्थ
- व्यापारिक वस्तुओं को किसी दूसरे देश में भजने का कार्य – निर्यात
- जिसको देश से निकाल दिया गया हो – निर्वासित
- बिना किसी बाधा के – निर्बाध
- जो ममत्व से रहित हो – निर्मम
- जिसकी किसी से उपमा/ तुलना न दी जा सके – निरूपम
- जो निर्णय करने वाला हो – निर्णायक
- जिसे किसी चीज की लालसा न हो – निष्काम
- जिसमें किसी बात का विवाद न हो – निर्विदवाद
- जो निन्दा करने योग्य हो – निन्दनीय
- जिसमें किसी प्रकार का विकार उत्पन्न न हो – निर्विकार
- जो लज्जा से रहित हो – निर्लज्ज

AZAD IAS ACADEMY

- जिसको भय न हो – निर्भय
- जो नीति जानता हो – नीतिज्ञ
- रंगमच पर पर्दे के पींछे का स्थान – नेपथ्य
- आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत करने वाला – नैष्ठिक
- जो नीति के अनुकूल हो – नैतिक
- ,जो न्यायशास्त्र की बात जानता हो – नैयायिक
- घृत, दुग्ध, दधि, शहद व शक्क से बनने वाला पदार्थ – पंचामृत
- पक्षपात करने वाला – पक्षपाती
- पदार्थ का सबसे छोटा कण – परमाणु
- जितने की आवश्यकता हो उतना – पर्याप्त
- महीने के दो पक्षों मे ंसे एक – पखवाड़ा
- नाटक का पर्दा गिरना – पटाक्षेप/यवनिकापतन
- अपनी गलती के लिए किया हुआ दुःख – पश्चाताप
- केवल अपने पति मूं अनुराग रखने वाली स्त्री – पतिव्रता
- पति को चुनने की इच्छा वाली कन्या – पतिम्वरा
- उपाय/मार्ग से च्युत/भटका हुआ – पथभ्रष्ट
- अपने पद से हटाया हुआ – पदच्युत
- जो भोजन रोगी के लिए उचित है – पथ्य
- घूमने–फिरने/देश–देशान्तर भ्रमण करने वाला यात्री–पर्यटक
- केवल दूध का निर्भर रहने वाला – पयोहारी
- दूसरों पर निर्भर रहने वाला – पराश्रित/पाराश्रयी
- परपुरूष से प्रेम करने वाली स्त्री – परकीया
- पति द्वारा छोड़ दी गई पत्नी – परित्यका
- दूसरे का मुँह ताकने वाला – परमुखापेक्षी
- जो पहनने लायक हो – परिधेय
- जो मापा जा सके – परिमेय
- जो सदा बदलता रहे – परिवर्तनशीन

AZAD IAS ACADEMY

- जो आँखों के सामने न हो – परोक्ष/अप्रत्यक्ष
- दूसरे पर उपकार करने वाला – परोपकारी / परमार्थी
- जो पूरी तरह से पक चुका हो /पारंगत हो चुका हो – परिपक्व
- पर्दे के अंदर रहने वाली – पर्दानशीन
- प्रशंसा करने योग्य – प्रशंसनीय
- किसी प्रश्न का तत्काल उत्तर दे सकने वाली मति – प्रत्युत्पन्नमति
- किसी वाद का विरोध करने वाला – प्रतिवादी
- शरणागत की रक्षा करने वाला – प्रणतापाल
- वह ध्वनि जो कहीं से टकराकर आए– प्रतिध्वनि
- जो किसी मत को सर्वप्रथम – प्रवर्तक
- वह स्त्री जिसकें हाल ही में शिशु उत्पन्न हुआ हो – प्रसूत्ता
- वह आकृति जो किसी शीशें, जल आदि में दिखाई दे – प्रतिबिम्ब
- हास्य रस से परिपूर्ण नाटिका – प्रहसन
- प्रमाण द्वारा सिद्ध करने योग्य – प्रमेय
- संध्या के बाद व रात्रि होने के पूर्व का समय – प्रदोष/पूर्वरात्र
- ज्ञान नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति – प्रज्ञाचक्षु
- सभा में विचारार्थ प्रस्तुत बात – प्रस्ताव
- हाथ से लिखी गई पुस्तक – पाण्डुलिपि
- किसी परिश्रम के बदले मिलने वाली राशि – पारिश्रमिक
- जिसका स्वभाव पशुओं के समान हो – पाशविक
- महीने के प्रत्येक पक्ष से संबंधित – पाक्षिक
- किसी विषय का पूर्ण ज्ञाता – पारंगत
- जिसमें से आर–पार देखा जा सकता हैं – पारदर्शी
- जो परलोक से संबंधित हो – पारलौकिक
- मार्ग में खाने के लिए भोजन – पाथेय
- जिसका संबंध पृथ्वी से हो – पार्थिव
- ज्ञात इतिहास से पूर्व समय का – पारलौकिक

AZAD IAS ACADEMY

- मार्ग में खाने के लिए भोजन – पाथेय
- जिसका संबंध पृथ्वी से हो – पार्थिव
- ज्ञात इतिहास के पूर्व समय का – प्रागैतिहासिक
- स्थल का वह भाग जिसके तीन ओर पानी हो – प्रायद्वीप
- जिसको देखकर अच्छा लगे – प्रियदर्शी
- पीने की इच्छा रखने वाला – पिपासु
- बार–बार कही गई बात – पुनरूक्ति
- जिसका पनः जन्म हुआ हो – पुनर्जन्म
- पहले किया गया कथन – पूवोक्ति
- दोपहर से पहले का समय – पूर्वाह्न
- प्राचीन इतिहास का ज्ञाता – पुरातत्त्ववेता
- पीने योग्य पदार्थ – पेय
- पिता एवे प्रतिताओं से संबंधित – पैतृक
- जो सम्पति पिता से प्राप्त हो – पैतृक सम्पत्ति
- फटे–पुराने कपड़े पहनने वाला – फटीचर
- केवल फलों पर निर्वाह करने वाला – फलाहारी
- फल की इच्छा रखने वाला – फलेच्छु
- बुरी किस्मत वाला – बदकिस्मत
- बुरे मिजाजा (आचरण) वाला – बदमिजाज
- सूर्योदय से पहले दो घड़ी तक का समय –ब्रह्ममुहूर्त
- जेवन का प्रथम आश्रम – ब्रह्मचर्याश्रम
- ब्हुत विषयों का जानकार – बहुज्ञ
- जिसने सुनकर अनेक विषयों का ज्ञान प्राप्त किया हो – बहुश्रुत
- समुद्र में लगने वाली आग – बड़वानल
- जो अनेक रूप धारण करता हो – बहुरूपिया
- बहुत से देवताओं के अस्तित्व में विश्वास करने वालाल मत – बहुदेववाद
- काफी अधिक कीमत का – बहुमूल्य

AZAD IAS ACADEMY

- अनेक भाषाओं को जानने वाला – बहुभाषाविद्
- रात को भोजन – ब्यालू/रात्रिभोज
- जिस स्त्री को कोई संतान नहीं हुई हों – बाँझ
- खाने का इच्छुक – बुबुक्षु
- किसी भवनादि के खंडित होने के बाद बचे भाग – भग्नावशेष
- भय के कारण बेचैन – भयाकुल
- भाग्य पर भरोसा रखने वाला – भाग्यवादी
- जो भाग्य का धना हो – भाग्यवान
- दीवारों पर बने हुए चित्र – भित्तिचित्र
- जो पृथ्वी के भीतर का ज्ञान रखता हो –भूगर्भवेता
- धरती को धारण करने वाला पर्वत – भूधर
- औषधियों का जानकर – भेषज
- प्रातःकाल गाया जाने वाला राग – भोर
- भूगोल से संबंधित – भौगोलिक
- फूलों का रस – मकरंद
- दोपहर का समय – मध्याह्न
- सर्दी में होने वाली वर्षा – महावट/ मावठ
- हाथी को हाँकने वाला – महावत
- सुख एवं दुःख में एक समान रहने वाला – मनस्वी
- जिसकी आँखे मगर जैसी हो – मकराक्ष
- किसी मत का अनुसरण करने वाला – मतानुयायी
- दो पक्षों के बीच में पड़कर फैसला कराने वाला – मखत्राता/यज्ञरक्षक
- जो बहुत ऊँची अकांक्षा/इच्छा रखता हो –महत्वाकांक्षी
- जिसकी बुद्धि कमजोर है – मन्दबुद्धि/ मतिमान्द्य
- जिसकी आत्मा महान हो – महात्मा
- किसी चीज के मर्म का ज्ञाता – मर्मज्ञ
- मध्यरात्रि का समय – मध्यरात्र

AZAD IAS ACADEMY

- मन का असीम दुःख – मनस्ताप
- जहाँ केवल रेत ही रेत हो – मरूस्थल
- माँस आदि खाने वाला – माँसाहारी
- माह में होने वाली –' मासिक
- माता की हत्या करने वाला – मातृहंता
- कम खाने वाला – मितव्ययी
- जिस स्त्री की आँखे मछली के समान हों – मीनाक्षी
- थोड़ा खिला हुआ फूल – मुकुल
- शुभ कार्य हेतु निकाला गया समय – मुहूर्त
- दिल खोलकर कहना – मुक्तकंठ
- मुद्रा का अधिक चलन/प्रसार – मुद्रास्फीति
- मरणासन्न अवस्थावाला/शक्ति कें अनुसार –मुमूषु
- मरने की इच्छा – मुमूर्षा
- मोक्ष की इच्छा रखने वाला – मुमुक्षु
- चुपचाप देखने वाला – मूकदर्शक
- हरिश के नेत्रों जैसी आँखों वाली – मृगनयनी
- जो मीठी वाणी बोलता हो – मृदुभाषी
- जिसनें मृत्यु को जीत लिया हो – मृत्युंजय
- कमल की डंडी – मृणाल
- जो रचना किसी व्यक्ति की अपनी स्वयं की हो एवे नई हो – मौलिक
- जुड़वाँ भाई व बहन – यमल/यमला
- रंगमंच का परदा – यवनिका
- शक्ति के अनुसार करना – यथाशक्ति
- जैसा चाहिए, उचित हो वैसा – यथोचित
- जो यंत्र से संबंधित हो – यांत्रिक
- जब तक जीवन रहे – यावज्जीवन/जीवनपर्यत
- घूम–घूमकर जीवन बिताने वाला – यायावर

AZAD IAS ACADEMY

- ,समाज को नई दिशा देकर नए युग की शुरूआत करने वाला – युगप्रवर्तक
- अपने युग का ज्ञान रखने वाला – युगद्रष्टा
- यज्ञ–स्थान पर स्थापित किया जाने वाला खंभा – यूप
- रात को कुछ भी दिखाई नहीं देने वाला रोग – रतौंधी
- किसानों से भूमि कर लेने वाला सरकारी विभाग – राजस्व विभाग
- राज्य द्वारा आधिकारिक रूप से प्रकाशित होने वाला पत्र – राजपत्र(गजट)
- जिसके नीचे रेखाएँ लगाई गई हों – रेखांकित
- प्रेम, आनन्द, भय आदि से रोगटे खड़े हो गए हों – रोमांचित
- जो लकड़ी काटकर जीवन बिताता हो – लकड़हारा
- जिसका वश लुप्त हो गया हो – लुप्तवंश
- लोभी स्वभाव वाला – लुब्ध/लोभी
- जिसे देखकर रोगटे खड़े हों जाएँ – लोमहर्षक
- वंश परम्परा के अनुसार – वंशानुगत
- जिसके हाथ में वज्र हो – वज्रपाणि
- बचपन और यौवन के मध्य की उम्र – वयसंधि
- जिसका वर्णन न किया जा सके – वणनानीत
- अधिक बोलने वाला – वाचाल
- सन्तान कू प्रति प्रेम – वात्सल्य
- मुकदमा दायर करने वाला – वादी
- भाषण देने मे चतुर – वाग्मी
- जिसका वाणी पर पूर्ण अधिकार हो – वाचस्पति
- सामाजिक मानमर्यादा के विपरीत कार्य करने वाला – वामाचाररी
- गृह–निर्माण संबंधी विंज्ञान – वास्तुविज्ञान
- बाहर के तापमान का असर रोकने हेतु की जाने वाली व्यवस्था – वातानुकूलन
- वह कन्या जिसके विवाह करने का वचन दे दिया गया हो – वाग्दता
- जिसमें विष मिला हुआ हो – विषाक्त

AZAD IAS ACADEMY

- जिस पर विश्वास किया जा सके – विश्वसत
- जिस विषय मे निश्चित मत न हो – विवादास्पद
- जिसकी पत्नी मर चुकी हो – विधुर
- स्त्री जिसका पति मर गया हो – विधवा
- सौतेली माँ – विमाता
- जो दूसरी जाति का हो – विजातीय
- जिस पर अभ विचार चल रहा हो – विचाराधीन
- वह स्त्री जो पढ़ी–लिखी व ज्ञानी हो – विदुषी
- अपना हित–अहित सोचने मे समर्थ – विवेकी
- अपनी जगह से अलग किया हुआ – विस्थापित
- जिसके अंदर कोई विकार आ गया हो – विकृत
- जो अपने धर्म के विरूद्ध कार्य करने वाला हो – विधर्मी
- जो विधि/कानून के अनुसार सही हो – विधिवत् / वैध
- किसी विषय का विशेष ज्ञान रखने वाला – विशेषज्ञ
- विनाश करने वाला – विध्वंसक
- जिसके शरीर के भाग में कमी हो – विकलांग
- जिसे व्याकरण ाका पूरा ज्ञान हो – वैयाकरण
- सौ वर्षो का समूह – शताब्दी
- जो शरण मे आ गया हो – शरणागता
- शरण की इच्छा रखने ताला – शरणार्थी
- हाथ मे पकडकर चलाया जाने वाला हथियार जैसे तलवार– शस्त्र
- सौ वस्तुओं का संग्रह – शतक
- जो सौ बातें एक साथ याद रख सकता है – शतावधानी
- जिसके स्मरण्स मात्र से ही शत्रु का नाश हो /शत्रु का नाश करने वाला–शत्रुघ्न
- जिसका कोई आदि और अंत न हो – शाश्वत
- शाक, फल और फूल खाने वाला – शकाहारी/निरामिष
- जिस शब्द के दो अर्थ हो – शिलष्ट

AZAD IAS ACADEMY

- शिव का आलय (स्थान) – शिववालय
- शुभ चाहने वाला – शुभेच्छु / शुभाकांक्षी
- अनुसंधसन के लिए दिया जाने वाला अनुदान – शोधवृत्ति
- जो सुनने योग्य हो – श्रव्य / श्रवणीय
- जिसमें श्रद्धा भावना हो – श्रद्धालु
- पति / पत्नी का पिता – श्वसुर
- पति / पत्नी की माता – श्वश्रू (सास)
- पति / पत्नी का भाई – श्वशुर्य (साला)
- जिसके छह कोण हो – षट्कोण
- जिसके छह पद हों (भाँरा) – षट्पद
- छह–छह माह में होने वाला – षणमासिक
- सेलह वष्र की अवस्था वाली स्त्री – षोडशी
- दो नदियों के मिलने का स्थान – संगम
- इन्द्रियों को वश में रखने वाला – संयमी
- जो समाचार भेजता है – संवाददाता
- एक ही माँ से उत्पन्न भाई / बहन – सहोदर / सहोदरा
- सत सौ दोहों का समूह – सतसई
- जो गुण–दोषों का विवेचन करता हो – सतसई
- सब कुछ जानने वाला – सर्वज्ञ
- जो समान आयु का हो – समवयस्क
- जो सभी को समा दृष्टि से देखता हो – समदर्शी
- साहित्यिक गुण–दोषों की विवेचना करने वाला – समीक्षक
- वह स्त्री जिसका पति जीवित हो – सधवा
- जो सदा से चला आ रहा हो – सनातन
- अन्य लोगों के साथ गाया जाने वाला गीत – सहगान
- उसी समय में होने वाला / रहने वाला – समकालीन
- साथ पढ़ने वाला – सहपाठी

AZAD IAS ACADEMY

- जो दूसरो की बात सहन कर सकता हो – सहिष्णु
- छूत या संसर्ग से फैलने वाला रोग – संक्रामक
- जो एक ही जाति के हो – सजातीय
- गीतों की धुन बनाने वाला – संगीतकार
- रस पूर्ण – सरस
- साथ काम करने वाला – सहकर्मी
- सबको प्रिय लगने वाला – सर्वप्रिय
- सद्आचरण रखने वाला – सदाचारी
- ज्ञान देने वाली देवी – सरस्वती
- जे अपनी पत्नी के साथ हो – सपत्नीक
- सत्य के लिए आग्रह – सत्याग्रह
- शर्तो के साथ काम करने का समझौता – संविदा
- जो सत्य बोंलता हो – सत्यवादी/सत्यभाषी
- संहार करने वाला / मारने वाला – संहारक
- जिसका चरित्र अच्छा हो – सच्चरित्र
- न बहुत ठण्डा न बहुत गर्म – समशीतोष्ण
- जो सब कुछ खाता हो – सर्वभक्षी
- सब कुछ पाने वाला – सर्वलब्ध
- जो समस्त देशो/स्थानों से संबंधितम हो –सार्वभौमिक
- रथ हाँकने वाला – सारथि
- जो पढ़ना– लिखना जानता है – साक्षर
- सप्ताह मे एक बार होने वाला – साप्ताहिक
- सभी लोगों के लिए – सार्वजनिक
- आकार से युक्त(मूर्तिमान) – साकार
- जो सोया हुआ हो – सुषुप्त
- सधवा रहने की दशा या अवस्था – सुहाग
- पसीने से उत्पन्न जीव (जैसे जूँ आदि – स्वेदज

AZAD IAS ACADEMY

- किसी संस्था या व्यक्ति के पचास वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में हो वाला उत्सव – स्वर्ण जयंती
- स्त्री के स्वभाव जैसा – स्त्रैण
- गतिहीन रहने वाला – स्थावर
- जिसको सिद्ध करने के लिए अन्य प्रमाणों की जरूरत न हों – स्वयंसिद्ध / स्वतःप्रमाण
- अपनी ही इच्छानुसार पति का वरण करने वाली – स्वयंवरा
- जो स्वयं भोजन बनाकर खाता हो – स्वयंपाकी
- जो अपने ही अधीन हो – स्वाधीन
- जो अपनी ही हित सोचता हो – स्वार्थी
- सौ वस्तुओं का संग्रह – सैंकड़ा / शतक
- हमला करने वाला – हमलावर
- सेना का वह भाग जो सबसे आगे हो – हलफनामा
- दूसरे के काम में दखल देना – हस्तक्षेप
- ऐसा दुःख जो हृदय को चीर डाले – हृदय विदारक
- हृदय से संबंधित – हार्दिक विदारक
- जिस पर हँसी आती हो / जो हँसी का पात्र हो – हास्यास्पद
- किसी संस्था या व्यक्ति के साठ वर्ष पूरे होने को उपलक्ष्य में होने वाला उत्सव – हीरक जयंती
- जो बात हृदय में अच्छी तरह बैठ गई हो – हृदयंगम
- दूसरो का हित चाहने वाला – हितैषी
- न टलने वाली घटना / अवश्यंभावी घटना / भाग्याधीन – होनहार
- यज्ञ में आहुति देने वाला – होमाग्नि

AZAD IAS ACADEMY

विभिन्न प्रकार की इच्छाएँ:

- किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा – अभीप्सा
- सांसारिक वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा – एषणा

- कार्य करने की इच्छा – चिकीर्षा
- जानने की इच्छा – जिज्ञासा
- जीवने, दमन करने की इच्छा – जिगीषा
- किसी को जीत लेने की इच्छा रखने वाला –जिगीषु
- किसी को माने की इच्छा – जिघांसा
- भोजन करने की इच्छा – जिघत्सा
- ग्रहण करने , पकड़ने की इच्छा – जिघृक्षा
- जिंदा रहने की इच्छा – जिजीविषा
- ज्ञान प्राप्तत करने की इच्छा – ज्ञानपिपासा
- तैर कर पार जाने की इच्छा – तितीर्षा
- धन की इच्छा रखने वाला – धनेच्छु
- पीने की इच्छा रखने वाला – पिपासु
- फल की इच्छा रखने वाला – फलेच्छु
- खाने की इच्छा – बुभुक्षा
- खाने का इच्छुक – बुभुक्षु
- मरने की इच्छा – मुमुर्षा
- मरणासन्न अवस्था वाला/ मरने को इच्छुक – मुयूर्षू
- युद्ध की इच्छा रखने वाला – युयुत्सा
- शुभ चाहन वाला – शुभेच्छु
- हित चाहने वाला – हितैषी

AZAD IAS

Online/ Offline Batch
IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए
www.azadiasacademy.com
M.9115269789

Our Publication
अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,
www.azadpublication.com
M.8929821970

Our Foundation
Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।
www.azadfoundation.net
Unitofazadgroup@gmail.com